हेमंत कुमार कोचर

व्यवसाय	:	होटेलियर
जन्मतिथि	:	08.02.1971
जन्म स्थान	:	देहरादून
पिता	:	श्री एच.पी. कोचर
माता	:	श्रीमती कृष्ण कोचर
पत्नी	:	श्रीमती गीतांजलि कोचर
शिक्षा	:	बीएचएम, ईएचएम, कॉर्नेल विश्वविद्यालय

दिशाओं को बदलो
किनारे बदल जाएंगे

MAHAR
मधुबन एकेडमी ऑफ हास्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड रिसर्च

हेमंत कुमार कोचर जो कि वर्तमान मे मधुबन ग्रुप ऑफ होटल्स देहरादून, मसूरी के निदेशक है, एवं मधुबन एकेडमी ऑफ हास्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड रिसर्च के निदेशक हैं इसके साथ-साथ www.instantcareers.com जो कि एक मानव संसाधन कंसलटेन्सी है, उसके सी.ई.ओ भी है।

श्री. हेमंत कोचर अपने अध्ययन काल से ही एक सफल व्यवसायी के रूप मे कार्यरत है। उनकी होटल मेनेजमेन्ट शिक्षा कोरनेल यूनिवर्सिटी से है। उन्होने अपने 22 से अधिक वर्षो के अनुभव से देश के कई बड़े पांच सितारा होटल्स ग्रुप में, जैसे कि ली मैरिडियन, वसन्त कॉन्टिनेन्टल, दीओबराय, ताज में काम किया है। उनके अन्दर आज भी सीखने कि ललक और सीखी हुई चीजों को प्रयोग में लाने कि इच्छा शक्ति बरकरार है।

श्री.हेमंत कुमार कोचर का एक अलग पहलू भी है जिसमें वह एक संगीतकार एवं गायक के रूप में भी जाने जाते है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए उन्होने अपनी म्युजिक एल्बम भी रिलिज की है।

श्री.हेमंत कुमार कोचर विभिन्न प्रतिभाओं के धनी है वह अपना पूरा समय अपने कार्यो को उचित रूप से परिपूर्ण करने में लगाते हैं चाहे वो होटल उद्योग की बात हो या होटल मैनेजमेन्ट एकेडमी या अपने मानव संसाधन संगठन कार्यलय की बात हो और इसी बीच वह कुछ समय अपनी रुचियो को भी देते हैं।

प्र. आपके जीवन का टर्निंग प्वाइंट क्या था?

उ. जीवन में कई चीजे बदलाव पर निर्भर होती है, ऐसे ही मेरे जीवन में भी कई मोड़ आए पर इन सब में सबसे पहला और अहम था जब मैने अपने होटल्स के अलावा अपनी पहली मानव संसाधन कंपनी शुरू की थी।

प्र. आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देंगे?

उ. मेरी सफलता का सारा श्रेय मेरे माता, पिता व मेरी धर्मपत्नी को जाता है जिन्होने हर मुश्किल समय मे मेरा साथ दिया जिससे कि मैं हर कार्य को समय के अनुसार कर सका।

प्र. आपको गुस्सा कब आता है?

उ. सभी मनुष्यों की सहन करने कि शक्ति अलग अलग होती है किसी में अधिक व किसी मे कम होती है। मेरी सबसे बड़ी ताकत मेरी सहन शक्ति है इसलिए मुझे गुस्सा सिर्फ तब आता है जब कोई कार्य किसी की लापरवाही के कारण असफल हो जाए और उसका प्रभाव समस्त संगठन पर पड़े।

प्र. आपका सपना और भविष्य की योजनाए क्या है?

सपने सच होते है ये मेरा मानना है और मै यह भी समझता हूं कि जीवन का उद्देश्य इन सपनो को पूरा करने में ही है। परन्तु हमे उन सपनों को पूरा करने के लिए पूर्ण लग्न से कार्य करना चाहिए लेकिन उनके पूरे होने की कोई शर्त नहीं रखनी चाहिए। मेरा सपना है कि मैं इस जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकूं जिस से अनेक लोगों को लाभ हो सके।

प्र. ऐसी कौन सी विशेषताएं हैं, जो आपको अन्य संस्थानों से अलग करती हैं?

उ. 'महार' एक अग्रणी होटल मैनेजमेन्ट कालेज होने के साथ एक इंडस्ट्री के द्वारा संचालित अकेडमी भी है जिसका सीधा लाभ विद्यार्थीयों को मिलता है। हमारे एच.ओ.डी प्रोग्राम के अन्तर्गत विद्यार्थीयों को यह सुविधा दी जाती है कि विद्यार्थी होटल के सीनियर मैनेजर कि देखरेख में कार्य कर सके व उनके कार्यशैली को समझ सके व अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त कर सके। कालेज में पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थीयों को होटल में कार्य करने पर स्टाईपन्ड भी दिया जाता है जिससे वो अपने कुछ खर्चों को स्वयं वहन कर सकता है। 'महार' में पढ़ाई की कार्यशैली भी भिन्न है यहां कौशल और मैनेजमेन्ट दोनो पर विशेष ध्यान दिया जाता हैं जैसे कि समाज कल्याण के लिए पहल, स्टडी टूर, विशेष कार्यशालाएं, ई-लर्निंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ,खेलकूद आदि के द्वारा विद्यार्थियों के पूर्ण विकास पर बल दिया जाता है।

प्र. समाज के निचले तबके के लोगों के लिए आपके संस्थान की क्या योजनाएं हैं?

उ. महार समाज के निम्न वर्ग के विद्यार्थी जो कि कोर्स का खर्च वहन नहीं कर सकते है उनके लिए स्पांसरशिप व स्कालरशिप प्रदान करता है।

प्र. खुद का आंकलन कैसे करते हैं?

उ. मैं जीवन में सादगी पसंद व्यक्ति हूं और खुद को इसी दायरे में बांधे रखता हूं। मैं चाहे कितनी भी ऊंचाई छू लूं, परंतु धरती से हमेशा जुड़ा रहता हूं। मेरा मानना है कि इनसान को अपनी जड़ें नहीं भूलनी चाहिएं। ईश्वर में मेरी बहुत आस्था है। मैं हर रोज नये उत्साह और जोश के साथ अपने जीवन की शुरूआत करता हूं।

समाज में फैली विकृतियां, अपमान, शोषण और अपनी संस्कृति की अनदेखी से मुझे पीड़ा होती है। जीवन में आम आदमी की चाहत कभी खत्म नहीं होती है। आप काम करेंगे तभी औरों का विश्वास भी जीत सकेंगे। आपका दृष्टिकोण साफ होना चाहिए, बस अपने कर्तव्य और अच्छे कर्मों पर विश्वास रखता हूं।

प्र. आपको पीड़ा कब होती है?

उ. समाज में फैली विकृतियां अपमान, शोषण और अपनी संस्कृति की अनदेखी से मुझे पीड़ा होती है। जीवन में आम आदमी की चाहत कभी खत्म नहीं होती है। आप काम करेंगे तभी औरों का विश्वास भी जीत सकेंगे। आपका दृष्टिकोण साफ होना चाहिए, बस अपने कर्तव्य और अच्छे कर्मों पर विश्वास रखता हूं।

प्र. संस्थान में शिक्षा के साथ-साथ किन-किन चीजों पर ध्यान दिया जाता है?

उ. हम बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देते हैं, साथ ही हम बच्चों को समय के प्रति पाबंद होना और उद्देश्य की पूर्ति हर हाल में करने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की भी शिक्षा दी जाती है, ताकि ये हिंदुस्तान के कोने-कोने और विदेशों में संस्थान का नाम रोशन करें।

प्रेरणादायक संदेश

भारतवर्ष विश्व में सबसे युवा देश हैं इसलिए विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा में निपुण होना व जीवन में अग्रसर होकर देश को आगे ले जाने की भावना होनी चाहिए।